05 दिसम्बर 2022

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2021-22 की समान तिमाही के 8.4% की तुलना में .3% दर्ज की गई।
- खाद्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ बाजार सीजन 2022-23 में अब तक केंद्रीय पूल के लिए सरकार की ओर से धान की खरीद नौ प्रतिशत बढ़कर 306.06 लाख टन हो गई है।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुक्त व्यापार समझौता 29 दिसंबर से लागू होगा । यह एक ऐसा कदम है जो लगभग पांच वर्षों में द्विपक्षीय वाणिज्य को दोगुना कर 45-50 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचाने में मदद करेगा।
- नवंबर के महीने के लिए सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,45,867 करोड़ रुपये हुआ है। राजस्व संग्रह में वार्षिक आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।
- एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार केंद्र ने कच्चे तेल के उत्पादन और डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित कर में कटौती की। सरकारी स्वामित्व वाली तेल और प्राकृतिक गैस निगम जैसी फर्मों द्वारा उत्पादित कच्चे तेल पर कर को मौजूदा 10,200 रुपये प्रति टन से घटाकर 4,900 रुपये प्रति टन कर दिया गया है।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने खुदरा डिजिटल रुपये के लिए पहला पायलट शुरू किया। e₹-R कानूनी निविदा का प्रतिनिधित्व करने वाले डिजिटल टोकन के रूप में होगा। यह उसी वैल्यू में जारी किया जाएगा जिसमें कागजी मुद्रा और सिक्के जारी किए जाते हैं।
- सरकारी संस्था कोचिल्को के अनुसार, चिली का कुल तांबे का उत्पादन अक्टूबर में 1.4% बढ़कर 477,000 टन हो गया है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.11.22	01.12.22	बदलाव (%)
जीरा	23570.00	25235.00	7.06%
सीसेम सीड	15405.00	16325.00	5.97%
स्टील	43420.00	45350.00	4.44%
ग्वारगम	12123.00	12543.00	3.46%
ग्वारसीड	5827.00	5896.00	1.18%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.11.22	01.12.22	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6311.00	6673.00	5.74%
कपास	1630.00	1680.00	3.07%
तांबा	671.50	691.55	2.99%
निकल	2186.00	2246.70	2.78%
एल्युमीनियम	205.80	211.10	2.58%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.11.22	01.12.22	बदलाव (%)
कॉटनऑयलसीडकेक	2863.00	2756.00	-3.74%
बाजरा	2145.00	2111.00	-1.59%
गुड़	1157.50	1141.00	-1.43%
कपास	1732.50	1717.00	-0.89%
कॉटन	32910.00	32620.00	-0.88%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.11.22	01.12.22	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	572.10	554.80	-3.02%
कॉटन	32660.00	32380.00	-0.86%
लेड	185.95	184.90	-0.56%
मेंथा ऑयल	955.30	952.00	-0.35%

साप्ताहिक समीक्षा

कमोडिटीज की कीमतों में तेजी आई लेकिन बढ़त पर रोक लगी रही क्योंकि डॉलर इंडेक्स में गिरावट पर एनर्जी काउंटर में ज्यादा प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली । फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल द्वारा ब्याज दर में मामूली बढ़ोतरी के पूर्वानुमान के बाद गुरुवार को धातु बाजारों में तेजी आई, और सोने की कीमतें तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जबकि चीन में कोविड-19 लॉकडाउन में ढील देने से तांबे की कीमतें दो सप्ताह के शिखर पर पहुंच गईं। सर्राफा काउंटर की जोरदार तेजी ने कारोबारियों को चौंका दिया। सोना कॉमेक्स पर 1820 डॉलर और एमसीएक्स पर 53400 के स्तर को पार कर गया जबकि चांदी की कीमतें एमसीएक्स पर 65000 के स्तर को पार कर गई। एनर्जी काउंटर में, 4 दिसंबर को ओपेक प्लस की बैठक से पहले कच्चे तेल की कीमतों में उछाल दर्ज की गई जबकि हल्के मौसम की खबरों के कारण नेचुरल गैस की कीमतों में गिरावट हुई लेकिन गिरावट सीमित रही क्योंकि फ्रीपोर्ट एलएनजी ने प्रसंस्करण संयंत्र के संचालन को फिर से शुरू करने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। चीन में कोविड पाबंदियों में अधिक ढील मिलने की उम्मीद से कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल आया, जिससे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मांग में बढ़ोतरी को लेकर मदद मिल सकती है, लेकिन बेहतर अमेरिकी डॉलर के कारण बढ़त सीमित रही। वायरस को रोकने के सख्त उपायों के कारण तेल की मांग को नुकसान उठाना पड़ा है। वर्तमान में तेल की मांग 13 मिलियन बैरल प्रति दिन है जो औसत से 1 मिलियन बैरल कम है। चीन में लॉकडाउन में ढ़ील से बेस मेटल की कीमतों में उछाल आया, लेकिन बढ़त सीमित रही क्योंकि चीन के आर्थिक आंकड़े अभी भी नकारात्मक संकेत दे रहे हैं। आधिकारिक और निजी सर्वेक्षणों के अनुसार चीन की मैनुफैक्चरिंग गतिविधि-अर्थव्यवस्था के लिए एक मापदंड- नवंबर में काफी कमजोर हो गई। यह बड़े पैमाने पर विरोध के बाद, दो प्रमुख शहरों में कुछ कोविड-19 प्रतिबंधों को हटाए जाने की उम्मीद की भरपायी करता है। बीजिंग ने भी कोई संकेत नहीं दिया है कि वह लॉकडाउन के उपायों को कम करने की योजना बना रहा है।

कृषि कमोडिटीज में, कीमतों में औसत बदलाव हुआ। स्थानीय बाजार में आपूर्ति की कमी को लेकर अरंडी की कीमतें एक दायरे में रही। कमजोर उत्पादन अनुमान और पाइपलाइन में कम स्टॉक से कीमतों में तेजी को मदद मिलने की संभावना है। कॉटनऑयलसीड केक की कीमतों में गिरावट हुई। हाजिर बाजार में सीमित उपलब्धता के कारण कॉटन की कीमतों में मामूली तेजी रही। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर सामान्य से कम आवक के कारण कीमतों में मजबूती दर्ज की गई । बिकवाली के बढ़ते दबाव और हाजिर बाजार में आवक बढ़ने से ग्वार काउंटर पर दबाव बढ़ा, जिससें हाल ही में मजबूती का कारोबार हुआ। मसालों में, जीरा की कीमतों में वृद्धि हुई, जबकि हल्दी एक दायरे में रही। बढ़ती निर्यात मांग के साथ-साथ आपूर्ति की कमी के कारण गिरावट सीमित रही। भारत ने सितंबर-22 में लगभग 14 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में 12.59 हजार टन निर्यात किया था। धनिया की कीमतों में गिरावट हुई है। सीमित उपलब्धता के मुकाबले शादी के मौसम की बेहतर मांग के कारण कीमतों में भारी गिरावट नहीं हुई।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	25.11.22	01.12.22	(%)
जौ	जयपुर	3225.35	3219.85	-0.17%
चना	दिल्ली	5100.00	5148.70	0.95%
धनिया	कोटा	9907.50	9955.25	0.48%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	887.60	869.00	-2.10%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1152.00	1136.00	-1.39%
ग्वारसीड	जोधपुर	5860.00	5900.00	0.68%
ग्वारगम	जोधपुर	12250.00	12500.00	2.04%
जीरा	ऊंझा	23888.40	24836.00	3.97%
सरसों	जयपुर	6924.90	6796.15	-1.86%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	1340.00	1292.50	-3.54%
सोयाबीन	इंदौर	5624.45	5572.70	-0.92%
हल्दी	निजामाबाद	7441.05	7363.20	-1.05%
गेहूं	दिल्ली	2875.00	2880.10	0.18%
कॉटन	कड़ी	32747.45	32747.45	0.00%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	3160.30	3072.75	-2.77%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	25.11.22	01.12.22	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2362.50	2485.00	5.19%
तांबा	LME	नकद	8008.00	8336.00	4.10%
लेड	LME	नकद	2117.00	2173.50	2.67%
निकल	LME	नकद	25385.00	26100.00	2.82%
जिंक	LME	नकद	2920.50	3079.50	5.44%
सोना	COMEX	दिसम्बर	1754.00	1808.20	3.09%
चांदी	COMEX	दिसम्बर	21.43	22.71	5.97%
लाइट क्रूड	NYMEX	नवम्बर	76.28	81.22	6.48%
नेचुरल गैस	NYMEX	नवम्बर	7.02	6.74	-3.99%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	25.11.22	01.12.22	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	जनवरी	14.36	14.29	-0.49%
सोया तेल	CBOT	जनवरी	71.71	67.38	-6.04%
कॉटन	ICE	मार्च	80.18	84.85	5.82%
सीपीओ	BMD	फरवरी	4,140.00	4,078.00	-1.50%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	24.11.22 क्वांटिटी	01.12.22 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	881	881	0
कैस्टर सीड	मी.टन	0	0	0
चना	मी.टन	10782	13038	2256
धनिया	मी.टन	1870	1938	68
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	0	0	0
ग्वारगम	मी.टन	11135	13044	1909
ग्वारसीड	मी.टन	12316	11690	-626
जीरा	मी.टन	2617	2797	180
मक्का	मी.टन	204	1073	869
सोयाबीन	मी.टन	0	0	0
हल्दी	मी.टन	768	738	-30

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	25.11.22 क्वांटिटी	30.11.22 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	3787	3710	-77
तांबा	मी.टन	3797770	3763675	-34095
सोना	किग्रा	695	588	-107
सोना मिनी	किग्रा	13560	13560	0
सोना गिनी	किग्रा	730000	382700	-347300
लेड	किग्रा	413	413	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	155749	156894	1145
चांदी एम	किग्रा	36139	40951	4812
जिंक	मी.टन	2423	3037	614

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 25.11.22	स्टॉक की स्थिति 01.12.22	अंतर
एल्युमीनियम	509450	501225	-8225.00
तांबा	90150	89700	-450.00
निकल	51402	52122	720.00
लेड	26650	23750	-2900.00
जिंक	41450	41300	-150.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	**जीरा**	**दिसम्बर**	**25235.00**	**29.11.22**	**तेजी**	**24600.00**	**24450.00**	**-**	**24400.00**
NCDEX	हल्दी	दिसम्बर	7160.00	22.11.22	मंदी	7400.00	-	7450.00	7500.00
NCDEX	ग्वारसीड	दिसम्बर	5896.00	10.11.22	तेजी	5183.00	5680.00	-	5650.00
NCDEX	कैस्टरसीड	दिसम्बर	7476.00	14.07.22	तेजी	7270.00	7230.00	-	7200.00
NCDEX	स्टील लांग	दिसम्बर	45350.00	25.08.2022	मंदी	50200.00	-	46600.00	46700.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	दिसम्बर	2756.00	03.10.22	तेजी	2300.00	2630.00	-	2600.00
MCX	कॉटन	दिसम्बर	32380.00	10.11.22	तेजी	33140.00	31200.00	-	31000.00
MCX	मेंथा ऑयल	दिसम्बर	952.00	23.05.22	मंदी	1080.00	-	987.00	990.00
MCX	बुलडेक्स	फरवरी	14927.00	10.11.22	तेजी	14545.00	14550.00	-	14500.00
MCX	चांदी	मार्च	65409.00	10.11.22	तेजी	61911.00	62500.00	-	62000.00
MCX	सोना	फरवरी	53893.00	10.11.22	तेजी	52109.00	53100.00	-	53000.00
MCX	मेटलडेक्स	दिसम्बर	17625.00	23.06.22	साइडवेज	1796.30	17000.00	18000.00	-
MCX	**तांबा**	**दिसम्बर**	**691.55**	**30.11.22**	**तेजी**	**680.00**	**663.00**	**-**	**660.00**
MCX	**लेड**	**दिसम्बर**	**184.90**	**30.11.22**	**तेजी**	**184.00**	**179.00**	**-**	**178.00**
MCX	**जिंक**	**दिसम्बर**	**271.05**	**30.11.22**	**तेजी**	**265.00**	**258.00**	**-**	**255.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**दिसम्बर**	**211.10**	**30.11.22**	**तेजी**	**208.00**	**204.00**	**-**	**202.00**
MCX	कच्चा तेल	दिसम्बर	6673.00	14.11.22	मंदी	7250.00	-	6950.00	7000.00
MCX	**नेचुरल गैस**	**दिसम्बर**	**554.80**	**30.11.22**	**मंदी**	**580.00**	**-**	**590.00**	**600.00**

*01/12/2022 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (दिसम्बर)एमसीएक्स

कैस्टर सीड (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स

जिंक (दिसम्बर) एमसीएक्स

कच्चा तेल (दिसम्बर)एमसीएक्स **उच्चस्तर: 7605.00** **निचला स्तर: 6052.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल(दिसम्बर)कॉन्ट्रैक्ट 01 दिसम्बर 2022 को 6673.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6675.19 है।दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 44.973 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

6900.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6370.00 रू के टारगेट के लिए 6730.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

कैस्टर सीड (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 7650** **निचला स्तर: 6850**

एनसीडीईएक्स में कैस्टर सीड (दिसम्बर)कॉन्ट्रैक्ट 01 दिसम्बर 2022 को 7476.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 7409.59 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 56.112 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

7250.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 7770.00 रू के टारगेट के लिए 7370.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

जिंक (दिसम्बर) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 283.85** **निचला स्तर: 250.25**

एमसीएक्स में जिंक(दिसम्बर)कॉन्ट्रैक्ट 01 दिसम्बर 2022 को 271.05 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 267.78 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 54.846 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

258.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 290.00 रू के टारगेट के लिए 267.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

स्थानीय बाजार में सुस्त खरीदारी के बाद हल्दी की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट जारी रही। बाजार में अधिक स्टॉक को देखते हुए ज्यादातर मसाला मिलें जरूरत के हिसाब से खरीदारी कर रही हैं। पिछले वर्ष के विशाल कैरी फॉरवर्ड स्टॉक ने बाजार में आपूर्ति को पर्याप्त बनाए रखा। हल्दी के तहत उत्पादन क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि के कारण वर्ष 2021-22 में हल्दी का उत्पादन 18% बढ़कर 13.30 लाख टन हो गया। आगे तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में हल्दी की फसल की स्थिति पर नजर रखने की संभावना है जो अच्छी दिख रही है। मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण उपज की संभावना में सुधार से कीमतों पर दबाव पड़ने की संभावना है। लेकिन, मजबूत निर्यात मांग और शादी के मौसम में हल्दी की बढ़ती मांग से कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगने की संभावना है। भारत ने सितंबर-22 में लगभग 14 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में 12.59 हजार टन निर्यात हुआ था। हल्दी वायदा(दिसंबर) की कीमतों को 6900 पर समर्थन रहने की संभावना है और 7800 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

आपूर्ति में कमी के कारण जीरा (दिसंबर)वायदा की कीमतों में पिछले सप्ताह तेज रिकवरी देखी गई। आवक का मौसम कम होते जाने के साथ ही बाजार के अधिकांश हिस्सों में जीरे की आपूर्ति कम हो गई है, जिससे मसाला निर्माताओं को बढ़े हुए दामों पर जीरा खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा। बाजार में आपूर्ति की कमी के कारण जीरे की कीमतें अभी भी सामान्य की तुलना में काफी अधिक हैं। बाजार में पिछले वर्ष के 29.4 हजार टन की तुलना में नवंबर -22 में केवल 12.5 हजार टन जीरे की आवक हुई। कीमतों में अधिक वृद्धि की उम्मीद में किसान और स्टॉकिस्ट स्टॉक जारी करने से हिचक रहे हैं। आगे शादी-ब्याह की मांग को देखते हुए खरीदारी गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं, जिससे कीमतों की तेजी को समर्थन मिलेगा। जीरा की कीमतों को 24600 का सपोर्ट रहने की संभावना है और कीमतें 27000 तक बढ़ सकती है।

धनिया (दिसंबर) वायदा कीकीमतों के नरमी के रूझान के साथ साइडवेज व्यापार करने की उम्मीद है। बाजार की नजर पूरे भारत में सामान्य फसल स्थिति द्वारा समर्थित बेहतर उत्पादन अनुमान के संकेतों पर रहने की संभावना है। बढ़ते आयात के कारण प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति पर्याप्त है जो खरीदारों को थोक खरीद से दूर रखे हुए है। भारत ने जनवरी-22 से सितंबर-22 के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि के 4.7 हजार टन की तुलना में लगभग 22.4 हजार टन धनिया का आयात किया है। धनिया की कीमतों के अभी भी सामान्य भाव से अधिक होने के कारण छोटे कारोबारी थोक खरीदारी से दूर है, जब तक कि कीमतें अपना सामान्य व्यवहार नहीं दिखाती हैं। धनिया की कीमतों को 10200 पर रेजिस्टेंस के साथ निकट अवधि में 9500 तक लुढ़कने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

कमजोर मांग के कारण कॉटन वायदा(दिसंबर)की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। आर्थिक मंदी, जिसने दुनिया भर में मंदी के डर से कपड़े की मांग को प्रभावित किया, के बीच सूती धागे की मांग कम हो रही है। भारत में सूती धागे के बढ़े हुए आयात ने भी मांग की संभावनाओं को कम कर दिया क्योंकि मिलों ने उच्च घरेलू कीमत के कारण आयातित सूती धागे को तरजीह दी। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने धागे और कपड़े की सुस्त मांग के कारण भारत में कपास के अपने मांग अनुमान को कम कर दिया है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने पिछले वर्ष के 318 लाख गांठों की तुलना में वर्ष 2022-23 के लिए अपने मांग अनुमान को घटाकर 300.00 लाख गांठ कर दिया है। कम आपूर्ति के कारण नुकसान सीमित होगा क्योंकि इस सीजन में कपास की आवक सामान्य से कम है क्योंकि किसान आने वाले भविष्य में बेहतर कीमत की उम्मीद में अपनी उपज जारी नहीं कर रहे हैं। कीमतों को 30000 पर सपोर्ट मिलने की संभावना है और 34000 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

हाजिर बाजारों में सक्रिय मांग के कारण कॉटनसीडऑयल केक (दिसंबर) वायदा की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। अकोला में हाजिर कीमतें 350 रुपये/क्विंटल के प्रीमियम पर चल रही हैं, और आपूर्ति में कमी के कारण वायदा कीमतों में भी तेजी आएगी। कॉटन सीडऑयल केक के कम उत्पादन के कारण स्टॉकिस्ट सक्रिय हैं जबकि कपास की आवक धीमी रही है। कीमतों के 2600 के स्तर पर सपोर्ट रहने की संभावना है और आने वाले सप्ताह में यह 3000 की ओर बढ़ सकती है।

मुनाफावसूली के कारण ग्वारसीड (दिसंबर) वायदा की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है कीमतों में जोरदार तेजी के बाद किसान अपना स्टॉक जारी कर रहे हैं जिससे निकट भविष्य में ग्वार की कीमतों में गिरावट आएगी। ग्वारमील की घटती मांग और वैकल्पिक फीडमील की बढ़ती उपलब्धता से कीमतों पर दबाव पड़ने की संभावना है। निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतों के 5550-6400 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

मेंथा ऑयल (दिसंबर) वायदा की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की संभावना है । मेंथा ऑयल में कीमतों में रिकवरी की उम्मीद है क्योंकि कीमतें 950 के सपोर्ट के करीब कारोबार कर रही हैं। मेंथा ऑयल के कम उत्पादन कारण आवक भी प्रभावित हुई है। कीमतों को 950 का समर्थन रहने की संभावना है और निकट भविष्य में कीमतें धीरे-धीरे 1010 तक बढ़ सकती है।

हाजिर बाजार में आपूर्ति की कमी के कारण अरंडी वायदा(दिसंबर) की कीमतों में तेजी बरकरार रहने की संभावना है। कम उत्पादन अनुमान और पाइपलाइन में कम स्टॉक कारोबारियों को कैस्टर सीड में लांग पोजीशन बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा। आने वाले समय में अरंडी की कीमतों के 7300 पर सपोर्ट बने रहने की संभावना है और निकट भविष्य में 7700 तक बढ़त दर्ज करने की संभावना है।

सर्राफा

सर्राफा की कीमतें पिछले तीन हफ्तों में सबसे अधिक साप्ताहिक बढ़त दर्ज करने में कामयाब हुई है। के लिए निर्धारित की गई थीं क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दर में धीमी वृद्धि की संभावनाओं और मुद्रास्फीति के कम होते जाने के संकेतों से कमजोर हो गया है। पिछले सप्ताह में सोने की कीमतों में लगभग 2.4% की वृद्धि हुई है, जो लगातार दूसरी साप्ताहिक बढ़त है। डॉलर इंडेक्स में भी लगभग 1% की साप्ताहिक गिरावट हुई, क्योंकि अमेरिकी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गति धीमी होने की संभावना से डॉलर इंडेक्स पर दबाव पड़ और इसने सोने की मांग में बढ़ोतरी हुई। इस हफ्ते की शुरुआत में, अमेरिकी फेड चेयरमैन पॉवेल ने कहा था कि यह ब्याज दरों में बढ़ोतरी को धीमा करने का समय है। बढ़ती दरों के कारण इस वर्ष मुद्रास्फीति बचाव के रूप में सोने की पारंपरिक स्थिति पर पकड़ कमजोर हुई है, क्योंकि इससे गैर-उपज देने वाली धातु को रखने की उच्च अवसर लागत में बढ़ोतरी हो जाती है। इसके अतिरिक्त, शिकागो फेड के अध्यक्ष चार्ल्स इवांस ने एक कार्यक्रम में कहा कि 75 बेसिस प्वाइंट से दर वृद्धि की गति से फंड दर थोड़ी अधिक हो सकती है। तकनीकी मोर्चे पर, कोमेक्स पर सोने की कीमतों को 1810 डॉलर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है, और यदि कीमतें इस स्तर से ऊपर बनी रहती हैं तो 1840 डॉलर और 1850 डॉलर की ओर बढ़ सकती हैं, जबकि छोटी अवधि में कीमतों को 1770 डॉलर के करीब सपोर्ट रह सकता है। कॉमेक्स पर चांदी का फॉर्मेशन सकारात्मक रहा है, चार्ट संरचना के आधार पर ऐसा लगता है कि सपोर्ट के पास किसी भी गिरावट को खरीदारी का अवसर माना जाता है। सप्ताह की शुरुआत में सोना की कीमतें तेजी के रूझान के साथ कारोबार करना जारी रख सकती है जहां इसे 52500 के पास सपोर्ट और 54200 के स्तर पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। चांदी की कीमतें 60,000-68,000 के दायरे में कारोबार कर सकती है, और गिरावट पर खरीदारी की सलाह है।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

दो प्रमुख चीनी शहरों में कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद चीन में ईंधन की मांग में सुधार की उम्मीद और डॉलर की कमजोर होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। लगातार तीन सप्ताह की गिरावट के बाद दोनों बेंचमार्क कीमतें पहली साप्ताहिक बढ़त दर्ज करने में कामयाब हुई हैं। चीन की शून्य-कोविड रणनीति में बदलाव के कारण वहां तेल की मांग में सुधार को लेकर उम्मीद बढ़ गई। ग्वांगझू और चोंगकिंग शहरों ने कोविड प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता में तेल की मांग पर चल रहे लॉकडाउन का कितना प्रभाव पड़ रहा है, इसे देखते हुए चीन से बाहर चल रही खबरों से तेल बाजारों में तेजी बनी रहेगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा है कि इस महीने दर में वृद्धि धीमी हो सकती है, इसके बाद अगस्त के बाद से डॉलर सूचकांक में गिरावट से तेल की कीमतों को सबसे अधिक समर्थन मिला। यूरोपीय संघ के एक राजनयिक ने कहा कि यूरोपीय संघ की सरकारें रूसी समुद्री तेल पर 60 डॉलर की सीमा को लेकर अस्थायी रूप से सहमत हैं। ओपेक+ की बैठक वस्तुत: 4 दिसंबर को होगी, लेकिन नीति में बदलाव की संभावना कम ही दिख रही है। फंडामेंटल्स अब कई तरह के है-यूक्रेन पर रूस के युद्ध, ओपेक+ द्वारा बाजारों को नियंत्रित करने के लिए नवीनीकृत शक्ति, अमेरिकी शेल उद्योग का असहयोग और चीन की शून्य-कोविड नीति । इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है और कीमतें 6300-6980 के दायरे में कारोबार कर सकती है। अमेरिका और यूरोप में नेचुरल गैस की कीमतें ठंडे मौसम के पूर्वानुमान के कारण अस्थिर बनी रह सकती है और हीटिंग की अधिक मांग के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है। इस सप्ताह में, कीमतों में बिकवाली का दबाव जारी रह सकता है और कीमतों को 510 के स्तर पर सपोर्ट मिल सकता है और संभवत: 580 के स्तर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें तेजीके रूझान के साथ साइडवेज कारोबार कर सकती है क्योंकि निवेशकों को अनुमान है कि अमेरिकी ब्याज दरों में धीमी वृद्धि और चीन के कोविड-19 नियंत्रणों में ढील से मांग में सुधार होगा। चीन अपने संकट ग्रस्त अचल संपत्ति क्षेत्र का समर्थन करने के उपायों के तहत शून्य-कोविड नीति से प्रमुख रूप से दूरी बना सकता हैं। डॉलर तीन महीने के निचले स्तर के करीब पहुंच गया है क्योंकि फेडरल रिजर्व द्वारा अमेरिकी ब्याज दर को धीमा करने की संभावना जैसे ही दिसंबर में निवेशकों के दिमाग पर हावी हुई, त्योहि सेंटीमेंट बेहतर हो गया। लेकिन सर्वेक्षणों से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर फैक्ट्री उत्पादन पिछले महीने व्यापक रूप से कम हो गया, जिसमें अमेरिकी मैनुफैक्चरिंग गतिविधि 2-1/2 वर्षों में पहली बार कम हुई और चीन के कोविड-19 लॉकडाउन का भी प्रभाव पड़ा है लेकिन यूरोप में मंदी कम हुई है। तांबें की कीमतें 660-725 के दायरे में कारोबार कर सकती है। पिछले कुछ महीनों में तांबे के भंडार के खतरनाक रूप से निम्न स्तर पर पहुंच जाने के कारण, आने वाले कुछ दिनों में तांबे की कीमतें अधिक बढ़ सकती हैं, क्योंकि कई उद्योगों में तांबे की बड़े पैमाने पर आवश्यकता होती है। बैंक ऑफ अमेरिका के विश्लेषकों ने कहा है कि तांबें के कम भंडार, कमजोर अमेरिकी डॉलर, चीनी आर्थिक रिकवरी और हरित प्रौद्योगिकी में तांबे के तेजी से बढ़ते उपयोग से कीमतें अगले साल 12,000 डॉलर तक बढ़ सकती हैं। जिंक की कीमतें 260-280 के दायरे में कारोबार कर सकती है। लेड की कीमतें 177-189 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ 200-220 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। सर्दियों के दौरान उत्तरी चीन में स्मेल्टर प्रदूषण को कम करने के लिए उत्पादन में कटौती कर रहे हैं, जबकि बिजली के मुद्दों के कारण ऑफलाइन होने के लिए मजबूर प्लांटों की बहाली उम्मीद से धीमी रही है। एनसीडीईएक्स पर स्टील लॉन्ग (दिसंबर) वायदा की कीमतें 44800-46200 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

रबी फसल.... खरीफ फसलों की कमी की भरपायी

देश के लिए अच्छी खबर आ रही है कि उत्तर भारत में इस वर्ष मानसून की कमी और अनियमित मानसून के कारण खरीफ फसलों की बुवाई में कमी की भरपाई रबी की फसलें कर रही हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में रबी की फसल के क्षेत्रफल में 24.13 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के 138.35 लाख हेक्टेयर की तुलना में अभी तक गेहूं की 152.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है, क्योंकि प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में रकबे में वृद्धि की सूचना दी है। मिट्टी की नमी की अनुकूल स्थिति, उपलब्ध जल भंडारण की बेहतर स्थिति और पूरे देश में उर्वरकों की सहज उपलब्धता के कारण रबी की अच्छी फसल की उम्मीद है।

25 नवम्बर, 2022 तक, रबी फसलों के तहत बुवाई का कुल क्षेत्रफल 358.59 लाख हेक्टेयर (जो सामान्य रबी क्षेत्र का 57 प्रतिशत है) था, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 334.46 लाख हेक्टेयर था। इस प्रकार रबी क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में 24.13 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। आने वाले दिनों में रबी फसलों के बुआई क्षेत्र में अधिक तेजी आने और इससे रबी उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है।

देश भर के 143 महत्वपूर्ण जलाशयों में वर्तमान जल संग्रहण 149.49 बिलियन क्यूबिक मीटर (24 नवंबर, 2022 को समाप्त सप्ताह में) है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि का 106 प्रतिशत है और पिछले 10 वर्षों की समान अवधि के औसत संग्रहण का 119 प्रतिशत है। अधिकांश जिलों में 15-21 नवंबर, 2022 के दौरान मिट्टी में नमी की स्थिति समान अवधि के पिछले 7 वर्षों के औसत से अधिक है। रबी सीजन के लिए आवश्यकतानुरूप पूरे देश में खाद की भी सहज रूप से उपलब्धता है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश (6.40 लाख हेक्टेयर), राजस्थान (5.67 लाख हेक्टेयर), पंजाब (1.55 लाख हेक्टेयर), बिहार (1.05 लाख हेक्टेयर), गुजरात (0.78 लाख हेक्टेयर), जम्मू और कश्मीर (0.74 लाख हेक्टेयर), और उत्तर प्रदेश (0.70 लाख हेक्टेयर) रबी फसल की बुआई हुई है।

सरकार को अधिक बुवाई क्षेत्र और मिट्टी में नमी की अनुकूल स्थिति के कारण चालू रबी (सर्दियों की बुआई) के मौसम में कृषि फसलों के बेहतर उत्पादन की उम्मीद है। फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में भारत का खाद्यान्न (चावल, गेहूं, दालें और मोटे अनाज) का उत्पादन 315.72 मिलियन टन हुआ था, जिसमें से लगभग 160 मिलियन टन रबी सीजन में हुआ है। इस साल गर्मियों की शुरुआत में लंबे समय तक चलने वाली गर्मी के बाद गेहूं के उत्पादन में 3 मिलियन टन की कमी के बाद सरकार के स्टॉक के 14 साल के निचले स्तर पर चले जाने और खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को देखते हुए स्टॉक को फिर से भरने के लिए 2022-23 के दौरान गेहूं का पर्याप्त उत्पादन काफी अहम होगा ।

25 नवम्बर, 2022 तक, रबी फसलों के तहत बुवाई का कुल क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)

फसल	सामान्य रबी बुआई क्षेत्र	बुआई क्षेत्र 2022-23	बुआई क्षेत्र 2021-22
गेहूं	304.47	152.88	138.35
चावल	45.65	9.14	8.33
दालें	150.20	94.26	94.37
चना	98.86	67.14	66.91
मसूर	14.29	11.23	10.83
मटर	7.45	6.35	7.04
कुल्थी	1.98	2.21	2.30
उड़द	9.13	2.45	2.56
मूंग	10.47	0.47	0.52
लतरी	3.40	2.67	2.56
अन्य दालें	4.62	1.78	1.64
मोटे अनाज	54.68	26.54	26.70
ज्वार	29.35	15.12	17.55
बाजरा	0.00	0.11	0.12
रागी	0.00	0.31	0.28
मक्का	19.17	6.45	5.00
जौ	6.16	4.54	3.75
तिलहन	78.91	75.77	66.71
सरसों	63.46	70.89	61.96
मूंगफली	7.22	1.80	2.10
सैफ्लावर	0.78	0.42	0.43
सूरजमुखी	1.46	0.38	0.69
तिल	3.42	0.04	0.09
तीसी	2.36	2.06	1.19
अन्य तिलहन	0.11	0.17	0.25
कुल फसलें	633.80	358.59	334.46

एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।